

CHAPTER-XI

रहीम के दोहे

2 MARK QUESTIONS

(1.) पाठ में दिए गए दोहों की कुछ पंक्तियाँ कथन है और कुछ पंक्तियाँ कथन को स्पष्ट करने वाली उदाहरण। इन दोनों प्रकार की पंक्तियों को पहचान कर अलग-अलग लिखिए।

उत्तर: कथन वाले दोहे

- (1) जाल परे जल जात बहि, तजि मीनन को मोह।
रहिमन मछरी नीर को, तऊन छाँड़ति छोह॥
- (2) कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत।
बिपति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत॥

55/102

उदाहरण वाले दोहे

- (i) थोथे बादर क्वार के, ज्यों रहीम घहरात।
धनी पुरुष निर्धन भए, करें पाछिली बात॥
- (ii) धरती की-सी रीत है, सीत घाम औ मेह।
जैसी परे सो सहि रहे, त्यों रहीम यह देह॥

(2.) रहीम ने क्वार के मास में गरजने वाले बादलों की तुलना ऐसे निर्धन व्यक्तियों से क्यों की है, जो पहले कभी धनी थे और अब बीती बातों को बताकर दूसरों को प्रभावित करना चाहते हैं? दोहे के आधार पर आप सावन के बरसने और गरजने वाले बादलों के विषय में क्या कहना चाहेंगे?

उत्तर:

आश्विन(कार) के महीने में आसमान में जो बादल रहते हैं वे जितना गरजते हैं, उतना बरसते नहीं है। कवि द्वारा इन पंक्तियों में उन व्यक्तियों की तुलना गरजते हुये बादलों से की गई है जो पहले धनी थे किन्तु आज वो निर्धन हैं परंतु फिर भी आज वे अपने मुख से घमंड युक्त पुरानी बातें करते हैं।

दोहों से आगे

(3.) नीचे दिए गए दोहों में बताई गई सच्चाइयों को यदि हम अपने जीवन में उतार लें तो उनके क्या लाभ होंगे? सोचिए और लिखिए।

(क) तरुवर फल....सचहिं सुजान॥

(ख) धरती की-सी. ..यह देह॥

उत्तर:

(क) इस दोहों के द्वारा रहीम कहना चाहते है कि जैसे सरोवर अपना पानी नहीं पीता है और अपना फल नहीं खाता है, उसी तरह सज्जन व्यक्ति द्वारा एकत्रित किया गया धन अपने लाभ के लिए नहीं बल्कि दुसरो के भलाई के लिए खर्च होता है।

(ख) इस दोहे से रहीम हमें धरती के जैसे सहनशील होने के उपदेश दे रहे है। कवि कहते हैं कि अगर हम सच को स्वीकार कर लें ,तो हम जीवन की सुख - दुख की स्तिथि में एक समान व्यवहार कर पाएंगे।

5 MARK QUESTIONS

भाषा की बात

(1.) निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित हिंदी रूप लिखिए

(जैसे-परे-पड़े रे, डे)

बिपति - बादर

मछरी - सीत

उत्तर:

बिपति - विपत्ति

बादर - बादल

मछरी - मछली

सीत- शीत

(2.) नीचे दिए उदाहरण पढ़िए।

(क) बनत बहुत बहु रीत।

(ख) जाल परे जल जात बहि।

उपर्युक्त उदाहरणों की पहली पंक्ति में 'ब' का प्रयोग कई बार किया गया है और दूसरी में 'ज' का प्रयोग। इस प्रकार बार-बार एक ध्वनि के आने से भाषा की सुंदरता बढ़ जाती है। वाक्य रचना की इस विशेषता के अन्य उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर:

(1) चंदू के चाचू ने चांदी के चम्मच से चंदू को खिलाया। (यहाँ 'च' शब्द का इस्तेमाल बार-बार किया गया है)

(2) मुदित महिपति मंदिर आए। (यहाँ 'म' शब्द का इस्तेमाल बार-बार किया गया है)

(3) तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए। (यहाँ 'त' शब्द का इस्तेमाल बारबार किया गया है)

(4) हमारे हरि हारिल की लकरी (यहाँ 'ह' शब्द का इस्तेमाल बार-बार किया गया है)

(5) रघुपति राघव राजा राम (यहाँ 'र' शब्द का इस्तेमाल बार-बार किया गया है)